राष्ट्र जागरण का शंखनाद

शाश्वत हिन्दू गर्जना

वर्ष : 30 माह : जुलाई 2023 सहयोग : ₹ 10

दृढ़ संकल्पित महान क्राँतिकारी
शहीद ऊधम सिंह

धर्मांतरण का कुचक्र

लव जिहाद

गुरू पूर्णिमा-पावन पर्व - डॉ. किशन कछवाहा

बंदऊँ गुरूपद कंज, कृपा सिंधु नर रूप हरि।
बंदऊ गुरू पद पदुम परागा, ध्यान मूलं गुरोर्मूर्तिः पूजा मूलं गुरोः पदम्।

आदि–आदि अभिव्यक्तियों के माध्यम से सनातन संस्कृति में गुरू की महिमा का उल्लेख मिलता है। गुरू महाराज के चरण कमलों की वंदना करते हुये याहं तक कहा गया है कि जो सुरूचि (सुन्दर स्वाद), सुगंध तथा अनुराग रूपी रस से पूर्ण है वह संजीवनी जड़ी (अमर मूल) का सुन्दर चूर्ण, जिससे संपूर्ण भवरोगों के परिवार का नाश किया जा सकता है।

गुरू की महिमा का उल्लेख वेद, पुराण, उपनिषद गुरूगीता आदि अनेकानेक ग्रंथों में मिलता है। वह (गुरू) प्रकाश अज्ञान रूपी अंधकार को दूर करने वाला है जिस किसी को उसकी कृपा हो जाती है वह भाग्यवान है उसके समस्त दुःख दारिद्रय दोष समाप्त हो जाते हैं।

महात्मा सन्त कबीर ने भी कहा है–''सतगुरू मिला जू जानिये ज्ञान उजाला होय।'' गुरू की महिमा अपराम्पार कही गयी है। गुरू हर प्रकार की परिस्थिति में शिश्य का ही कल्याण देखते हैं। सद्गुरू भी अपने ज्ञान रूपी अमृत को जुटाने में व्यग्र रहते हैं और जब सच्चा–योग्य शिष्य मिल जाता है उस खुशी की सीमा को नापा नहीं जा सकता।

हम भले ही न जान पायें कि परमात्मा कितनी दूर है लेकिन गुरू उस सेतु के समान हैं जो परमात्मा की प्राप्ति के कठिन कार्य को सरल बना देता है। महात्मा बुद्ध ने तो गुरू को मित्र भी कहा है वह भी निकटतम। गुरू के माध्यम से ही हमारी आध्यात्मिक यात्रा की प्रथम सीढ़ी दृष्टिगत हो पाती है।

आषाढ़ माह की शुक्ल पूर्णिमा ही वह पावन दिवस है जिस दिन भगवान वेद व्यास का अवतरण एक द्वीप में हुआ था। इस कारण उनका एक अन्य नाम 'द्वेपायन' का भी उल्लेख मिलता है। कहते हैं विभक्त किया था। वेद का अर्थ ही ज्ञान होता है। उनके द्वारा फैलाये गये ज्ञान के कारण ही गुरू को साक्षात् परब्रह्म का स्वरूप माना जाने लगा। भारतीय संस्कृति में गुरू और शिष्य के पारस्परिक संबंध को अतिश्रेष्ठ एवं दिव्य माना जाता है।

वेद व्यास जी ने वेदों के अतिरिक्त अठारह पुराणों महापुराण और ब्रह्म सूत्र आदि ग्रंथों की भी रचना की थी। गुरू को उनके ज्ञान के कारण ही परमात्मा के समान माना जाता है। गुरू ज्ञान का प्रकाश पुंज है। गुरू से पहला माता–पिता का क्रम बाद में आता है। भले ही इस मानव काया को जन्म देने का श्रेय माता–पिता को जाता है लेकिन इस काया को संस्कारित करने और जीवन यात्रा के अभीष्ट लक्ष्य की ओर जाने का संकेत गुरू के माध्यम से ही प्राप्त होता है। समस्त प्रकार का ज्ञान गुरू–कृपा से ही संभव है। गुरू के सामीप्य को प्राप्त कर ही व्यक्ति जीवन की दिशा और दशा दोनों को परिवर्तित करने की शक्ति प्राप्त करने में समर्थ बन सकता है।

जीवन की इस संघर्ष पूर्ण यात्रा में शिश्य को एक सफल और कुशल मार्गदर्शक की आवश्यकता होती है उस कुशल मार्ग दर्शक को ही 'गुरू' शब्द से अभिहित किया जाता है। अनेक चिन्तकों का मानना है कि सद्गुरू का मिल नहीं परमात्मा से मिलन है।

सद्गुरू प्रेम और समर्पण की शिक्षा देता है जिसके माध्यम से शिष्य निराकार को खोजने में प्रयत्नशील हो जाता है। गुरूनानक देव महाराज ने अपने मंदिरों को 'गुरूव्दारा' नाम दिया जिसके कारण उनका अपना महत्व है। स्वार्थ और अहंकार की तिलांजलि दिये बिना गुरू के व्दार को भी पार नहीं किया जा सकता फिर उस परमात्मा को कैसे पाया जा सकता है? प्रख्यात जैन धर्म के संत आचार्य विद्यासागरजी का भी यही मानना है कि अहिंसा संवेदना सहानुभूमि विवेक करूणा के बिना कोई भी व्यक्ति या राष्ट्र समुन्नत नहीं हो सकता। आज सात्विकता की ज्यादा जरूरत है। केवल भारतीय संस्कृति ही सर्वश्रेष्ठ है। जो मनुष्य परमात्मा को इस तथ्य से अवगत हो जाने पर यह मान लेना अनर्गल सिद्ध नहीं होगा कि गुरू के रूप में परमात्मा ही उपस्थित हैं गुरू का और ईश्वर का महत्व कम अधिक समझना नादानी है।

गुरू से यह अपेक्षा की जाती है कि वह योग्य आचरण करें और शिष्य का भी कर्तव्य है कि वह ज्ञान प्राप्त करने का इच्छुक होकर गुरू को माता पिता के समान ही आदर प्रदान करे। वर्तमान समय में स्मूल–कालेजों में अध्यापकों के प्रति आदरभाव में विश्रृंखलता आती प्रतीत हो रही है उन कारणों पर विचार–चिन्तन करने की आवश्यकता है।

विश्व में सबसे बड़े सामाजिक सांस्कृतिक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा इस दिन भगवाध्वज को गुरू मानकर पूजन–अर्चन किया जाता है। गुरू को ध्वज के रूप में पूजने के पीछे मूल धारणा यह है कि व्यक्ति से गल्तियाँ हो सकती हैं वह पतित भी हो सकता है पर विचार और पावन प्रतीक में विकृतियाँ आने की कोई संभावना ही नहीं। इसीलिये संगठन के स्थापना काल सन् 1925 से भगवाध्वज को गुरू के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है। गुरू पूर्णिमा के दिन संघ के स्वयंसेवक गुरूदक्षिणा के रूप में इसी भगवाध्वज के समक्ष राष्ट्र के प्रति अपना समर्पण व श्रद्धा निवेदित करते हैं।

शाश्वत हिन्दू गर्जना
(मासिक)
महाकौशल प्रांत
वर्ष 30 अंक - 06
जुलाई 2023
विक्रमाब्द् - 2080
युगाब्द - 5125
✣
संपादक
डॉ. किशन कछवाहा
✣
सह-संपादक
डॉ. नुपूर निखिल देशकर
✣
सलाहकार संपादक
डॉ. यतीश जैन
चंद्रशेखर पचौरी
✣
प्रकाशक
नरेन्द्र जैन
विश्व संवाद केन्द्र
महाकौशल न्यास, जबलपुर
✣
सम्पर्क
प्लॉट नं.1, म.नं. 1692
नव आदर्श कॉलोनी,
गढ़ा मार्ग, जबलपुर
फोन-0761-4006608
✣
मुद्रक
ग्रेनेडियर्स प्रिंटिंग प्रेस
जबलपुर
फोन-0761-2620184

संपादकीय...

'भारत की अस्मिता, शिक्षा, संस्कृति और सुरक्षा पर जिहाद का षड्यंत्र'

आजकल एक शब्द लव जिहाद भारत के आम जनमानस में बहुत तेजी से फैल चुका है जिसका सामान्य रूप से तात्पर्य लोग मुस्लिम लड़कों के द्वारा हिंदू बेटियों को बहला–फुसलाकर विवाह करके धर्म परिवर्तन करके उनको गलत उपयोग करने से लगाते हैं। स्वाभाविक रूप से यह अर्थ सत्य ही प्रतीत होता है परंतु यह शब्द काफी पुराने समय से भारतीय संस्कृति के ऊपर कई प्रकार से अलग–अलग समय अलग–अलग कालखंड में उपयोग होता रहा है। मुस्लिम आक्रांताओं के द्वारा जब भारत पर आक्रमण किया गया था उसी समय से यह जिहाद शब्द इस भारत भूमि पर आया था, क्योंकि उनका भारत पर आक्रमण करना भारत भूमि पर बलात अधिकार करना, यहाँ की राजव्यवस्था को हथियाना एक जिहाद के अंतर्गत ही था परंतु उस समय उनका उद्देश्य प्रत्यक्ष युद्ध के द्वारा भारत की सत्ता को हथियाना एवं भारत के सांस्कृतिक धार्मिक राजनीतिक स्वरूप को ध्वस्त करना था और उनका एकमात्र उद्देश्य अपना शासन, अपना धर्म भारत भूमि पर फैलाना था। जिसको कालांतर में अलग अलग तरीके से उन्होंने प्राप्त करने के लिए अपने प्रयत्न सतत रूप से जारी रखें। मुस्लिम समाज जो अशिक्षित या अल्प शिक्षित होता था आज वह शिक्षित होकर छद्म रूप में भारत के हिंदू जनमानस को एवं उसकी सांस्कृतिक विरासत को छिन्न–भिन्न करने का कार्य कर रहा है। जिसे उन्होंने अपने अप्रत्यक्ष युद्ध के द्वारा ही प्राप्त करना प्रारंभ कर दिया है। हम देख रहे हैं कि कई युवा जो पढ़े लिखे भी हैं इस काम में उनके धर्म के द्वारा, उनके धर्म गुरुओं एवं व्यक्तियों के द्वारा प्रोत्साहित और प्रशिक्षित किए जाते हैं। इनका कार्य केवल और केवल हिंदू माताओं बहनों के ऊपर निगाह रखना, उनसे मित्रता करना, उनको अपने संपर्क में रखना एवं उनसे विवाह करके अपने धर्म में शामिल करके उनसे अनैतिक कार्य कराना है। जिसमें इनका पूरा परिवार एवं समाज शामिल होता है। कुछ समय पश्चात हिंदू बालिका को जब समझ आता है तब बहुत देर हो चुकी रहती है। आज हमारे प्रदेश की ऐसी कई घटनाएँ जनमानस को बहुत असंतुलित कर रही है। एक ओर गंगा जमुना स्कूल में छोटे छोटे बच्चों को हिजाब पहने के लिए प्रेरित करना एवं उनको पहने के लिए दबाव डालना एवं दूसरा जबलपुर की एक ब्राह्मण परिवार की बेटी के द्वारा एक मुस्लिम युवक से विवाह करना। तीसरी जनजातीय समाज की राष्ट्रीय खिलाड़ी को धर्मपरिवर्तन के लिए प्रताड़ित करना।

दमोह के विद्यालय की घटना को अगर हम देखें तो सर्वप्रथम हम स्कूल के नाम पर ही ध्यान दें उन्होंने अपने स्कूल का नाम 'गंगा जमुना' ही रखा जिससे आम हिंदू समाज के साथ ये षड्यंत्रकारी मिलकर अपने कार्य को सरलता से पूरा कर सकें। इन्होंने विद्यालय में पढ़ने वाले छोटे–छोटे बच्चों को गणवेश के रूप में मुस्लिम गणवेश को पहनने के लिए प्रेरित किया। इसे अभिभावकों ने सामान्य रूप से लिया परंतु एक परीक्षा परिणाम की फोटो के माध्यम से जब यह प्रकरण सार्वजनिक हुआ तब ज्ञात हुआ कि छोटे छोटे बच्चियों को भी उन्होंने हिजाब पहना कर फोटो खींचकर आने को कहा था। उसके बाद जब यह घटना सार्वजनिक रूप से सामने आई। तब समाज के द्वारा विरोध प्रकट किया गया एवं उस विरोध के कारण उनकी कार्ययोजना सामने आई। इसमें विद्यार्थियों को नमाज की शिक्षा दी जाती थी। यह बहुत सोची–समझी रणनीति है जिसमें उस कोमल हृदय के मासूम बच्चों पर अपना प्रभाव फैलाना प्रारंभ किया और मानसिक रूप से उन्हें मुस्लिम होने के लिए किया। दूसरी घटना जो जबलपुर की है उसमें वह मुस्लिम युवक ने हिंदु परिवार के पास दुकान खोलकर बेटी से संपर्क बढ़ाया एवं धीरे–धीरे अपने प्रभाव में लेकर उससे विवाह कर लिया। दुःख की बात कि कोर्ट में

जब विवाह पंजीकृत किया गया तो उसकी गवाही उसके दो हिंदू मित्रों की थी। जिन्होंने मुस्लिम का साथ दिया। हमारे लिए बहुत शर्म की बात है कि हम अपने परिवार के बच्चों की सुरक्षा के प्रति सजग नहीं होते। हमने अपने बच्चों को ऐसे संस्कार नहीं दिए कि कही हमारे धर्म की बालक बालिका परेशानी में हो तो उसको हमें संरक्षण एवं सहयोग देना चाहिए। यदि वह दो मित्र उसका विरोध करते या वह सूचना उनके परिवार को देते तो शायद अनामिका बच सकती थी। इसी तरह दमोह के मामले में यदि परिवार के अभिभावकों के द्वारा पहले ही दिन उसका विरोध किया होता तो वह घटना वहीं पर रुक सकती थी। संजना वरकडे जिसे पहले ज्ञात ही नहीं था कि वह जिससे मित्रता कर रही है राजन हिंदू नहीं मुस्लिम है और बाद में एक राष्ट्रीय खिलाड़ी को षडयंत्रों के माध्यम से समाप्त कर दिया गया। अब हमें अपने आस– पड़ोस के व्यक्तियों और परिवारों को एक समूह मानकर अपने धर्म, अपने बच्चों, अपने परिवारों की रक्षा के लिए सतर्क, सजग रहना होगा तभी हम सुरक्षित रहेंगे।

कवर पृ.क्र.3 का शेष भाग

आर्य समाज के नेता हंसराज जनता को संबोधित कर रहे थे। अंग्रेज अधिकारी जनरल डायर ने बिना किसी प्रकार चेतावनी दिये निहत्थी भीड़ पर मशीन गनों से धड़ाधड़ गोलियां चलवा दीं। दस मिनिट से अधिक समय तक गोलियां चलती रहीं। सरकारी रिपोर्टस के अनुसार 1650 राऊण्ड गोलियां चलीं। गोलियों से आहत हजारों लोग गिरते–पड़ते सकरे रास्ते के कारण बीच में ही फंस गये। जालियांवाला बाग में लाशों के ढेर लग गये। जनरल डायर की क्रूरता के परिणाम स्वरूप उन्हें चिकित्सकीय सहायता भी नहीं मिल सकी। घायल रातभर वहीं तड़फते रहे। भागकर जाने वाली महिलाओं इज्जत से भी खिलवाड़ किया गया यहां तक कि आसपास के घरों से महिलाओं को खींचकर बाहर लाकर उन्हें बुरी तरह अपमानित भी किया गया था, अपशब्दों का लगातार प्रयोग होता रहा। कतिपय साहसी महिलायें जो इस जघन्य हत्याकांड स्थल पर किसी प्रकार पहुंच पायीं, उन्होंने घायलों के लिये कुछ राहत के प्रयास किये। वे रातभर लाशों को नोंचने वाले कुत्तों को भगाती रहीं। घायलों को सुबह होने तक के लिये ढांढस बंधाती रहीं। घायल दो घूंट पानी मांगते छटपाटाते रहे। पानी देने तक की इजाजत नहीं थी। इतना क्रूरतम रवैया था अंग्रेज शासकों का। बाग में एक तरफ कुंआ तो था लेकिन वह भी लाशों से भर गया था अपने प्राणों की रक्षा के लिये लोग उसी में कूद गये थे। ज्यादा लाशें गिने से पानी ऊपर आ गया था। बेचारी महिलायें करती तो क्या करती? बहुतों ने उनके सामने ही दम तोड़ दिया था। वह भयनक रात कैसे बीती होगी–इसकी सहज ही कल्पना की जा सकती है। इस गोलीकांड नरसंहार में मरने वाली महिलाओं, किशोरियों की संख्या भी बहुत थी। इनमें एक एक साल का बच्चा भी था।

इस भयानक कांड के बाद देशभर में अंग्रेजों के खिलाफ भारी शेष पैदा हो गया था। इसी बीच ऊधमसिंह ने वहां की रक्त से भीगी मिट्टी उठाकर शपथ ली थी कि इस नरसंहार का बदला किसी भी कीमत पर लिया जायेगा।

इस हत्याकांड का घोर विरोध करते हुये गुरूदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने वासयराय द्वारा दिये गये ''नाईट–हुड'' के खिताब को वापिस कर दिया। उन्होंने लिखा था–''ब्रिटिश सरकार द्वारा अमृतसर में निर्दोश और बदकिस्मत लोगों को , जिस प्रकार की अमानवीय सजा दी गयी है और जिस बर्बरतापूर्ण तरीके से उक्त कृत्य किया गया है, इस तरह का उदाहरण विश्व के इतिहास मे हीं नहीं मिलता।''

अपने संकल्प को पूरा करने की इच्छा से यह साहसी युवक सन 1922 में केन्या की राजधानी नैरोबी गया, जहां क्रांतिकारियों से मुलाकात की और उन्हें अपने यहां आने के उद्देश्य से अवगत कराया। उनके संपर्क में लगातार रहते हुये सन 1924 में अपने इस मिशन को पूरा करने अमेरिका, हर्मनी, बेल्जियम, स्टिजरलेण्ड की आदि देशों की यात्रायें की। सन 1927 में भारत लौटकर अपने सहयोगियों के लिये भारी मात्रा में अस्त्र–शस्त्र एकत्रित किये। उनका एक मात्र उद्देश्य क्रांतिकारी गतिविधियों को गति देना था। इसी सिलसिले वह ब्रिटिश हुकूमत द्वारा एयरपोर्ट पर गिरफ्तार भी कर लिये गये। उसमें उन्हें पांच साल की सजा सुनायी गयी। इस समय तक सुखदेव और भगतसिंह को फांसी की सजा दी जा चुकी थी। आंदोलन का स्वरूप कुछ बिखरने लगा था। अपनी सजा पूरी करने के बाद उन्होंने अपना नाम भी बदल लिया। अब उनका ना राम मुहम्मद सिंह हो गया था। वे इसी नाम से आजादी के आंदोलन एवं क्रांतिकारी गतिविधियों में जुटे रहे। अपने उस मकसद को पूरा करने के लिये पुनः इंग्लैण्ड जाने के प्रयास किये लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। उन्होंने अपने प्रयास जारी रखे तब तक जनरल डायर, गवर्नर नाईक, ओडवायर इंग्लैण्ड जा चुके थे। लेकिन ऊधसिंह को तो अभी अपना संकल्प पूरा करना था। अंततः उन्हें इंग्लैण्ड जाने का अवसर मिल ही गया। इस समय तक जनरल डायर की तो मृत्यु हो चुकी थी। लेकिन सचिव लाईजेटकिस अभी जिन्दा था, वहां पहुंचकर केक्सन हाल में एक सभा के दौरान जालियांवाला बाग कांड के दोषी को निशाना बनाकर अपनी प्रतिज्ञा पूरी कर दी। ऐसे दृढ़ संकल्प प्रतिज्ञ थे, महान क्रान्तिकारी **ऊधमसिंह**।

एक हिजाब के विरोध से उतरते गए गंगा जमुना स्कूल प्रबंधन के चेहरे के नकाब

धर्मांतरण से लेकर विदेशों से प्राप्त राशि के आरोपों की जाँच

—वैभव नायक

दमोह। अल्पसंख्यक समुदाय के नाम पर दशकों से खड़े साम्राज्य पर हर स्तर पर असंवैधानिक कार्य मुख्य आरोपियों की आज भी पुलिस गिरफ्त से दूर, महज तीन की हो सकी गिरफ्तारी भारत में लगातार सामने आ रहे धर्मांतरण और विदेशी फंडिग के मामलों के बाद अब जिले में भी इसके सबूत सामने आने लगे है। जिले में दशकों से गंगा जमुना तहजीब को अपने कारोबार में होने की बात करने बाले गंगा जमुना समूह पर हिंदू छात्राओं को हिजाब में दिखाए जाने के बाद मामला जब तूल पकड़ा तो एक के बाद एक गंभीर आरोप सामने भी आने लगे और जांच में आरोपों की पुष्टी भी होने लगी है। हैरानी यह है कि जिस तरह से धर्मांतरण समेत दूसरे कार्य वर्षों से चल रहे थे, उसकी भनक किसी को नहीं लगी और पुलिस प्रशासन ने भी इस ओर ध्यान देना जरूरी नहीं समझा, लेकिन यह तय है कि इन हालातों को देखकर अब शासन प्रशासन ही नहीं आमजन को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी और राष्ट्र और धर्म विरोधी गतिविधियों का सामना करने के लिए आगे भी आना होगा। हालाकि मामले की परतें खुलती जा रही है और तेजी से कार्रवाई जारी है और गिरफ्तारियां भी शुरु हो गई है और पुलिस लगातार आरोपियों के संदिग्ध ठिकानों पर दविश दे रही है लेकिन मुख्य आरोपी तक पुलिस अब भी नहीं पहुंच पाई है।

पोस्टर से सामने आई सच्चाई

जिले सहित देश विदेश में अपना कारोबार संचालित करने वाला नगर का गंगा जमुना समूह अग्रेजी माध्यम का गंगा जमुना स्कूल भी संचालित कर रहा था जो केंद्र की अल्पसंख्यक संस्था के रूप में भी मान्यता प्राप्त था। संस्था पर कई बार आरोप तो लगे लेकिन अपने रसूख के चलते कभी कार्यवाही पर ध्यान भी नहीं दिया गया और स्कूल में 1208 छात्र जिसमें सभी धर्मों के छात्र शामिल है, वह अध्ययन कर रहे थे। हालात तब बदले जब कक्षा दसवीं के परीक्षा परिणाम में सफल रहे छात्रों को दिखाने लगाए गए पोस्टर में हिंदू छात्राओं का भी हिजाब में दिखाया गया और पोस्टर की फोटो सोशल मीडिया पर भी शेयर की गई और दशकों से अपने साम्राज्य को स्थापित कर कार्य कर रहे गंगा जमुना समूह के लिए बड़ी गलती साबित हुई और मामले

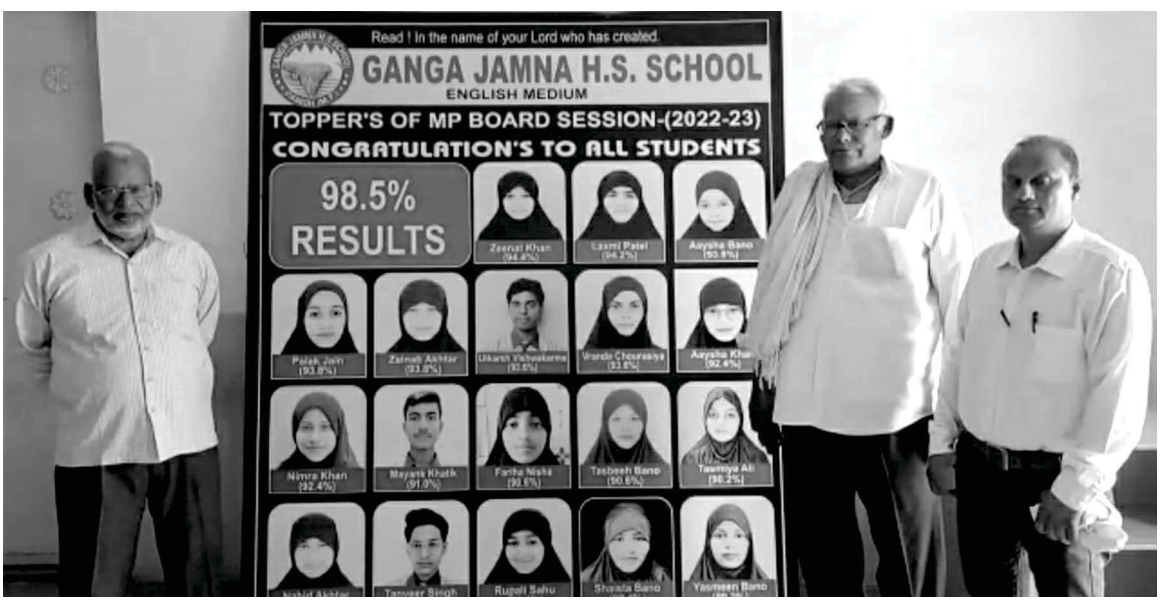

का विरोध शुरु हो गया और इस बार प्रबंधन और संचालकों को भी यह अंदाजा नहीं था कि कारोबार की परतें अब खुलनी शुरु हो जाएगीं।

संगठनों के उग्र विरोध से हुई कार्यवाही

ऐसी संस्थाओं की शासन प्रशासन में पकड़ कितनी गहरी है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि सोशल मीडिया पर शुरु हुए विरोध और हिंदूवादी संगठनों द्वारा विरोध जताते हुए कार्यवाही की मांग की घोषणा किए जाने पर ज्ञापन के पूर्व ही ना सिर्फ सोशल मीडिया सहित हर स्थान से विवादित पोस्टर बैनर हटाया गया बल्कि रात होते होते पुलिस प्रशासन द्वारा जांच का दावा करते हुए स्कूल प्रबंधन को क्लीन चिट भी दे दी गई। इन हालातों को देख विरोध जता रहे हिंदूवादी संगठन उग्र हो गए और जबरन हिजाब पहनाए जाने और पूर्व की शिकायतों के साथ वह मैदान में आ गए । विरोध और सामने आ रहे सबूतों को देख मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी मामले पर संज्ञान लिया और एक बार फिर जांच के आदेश दे दिए और आदेश पर कलेक्टर मयंक अग्रवाल ने टीम भी गठित कर दी। वहीं इस दौरान राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग अध्यक्ष प्रियंक कानून गो ने भी जांच के निर्देश दे दिए। इस दौरान भी स्कूल प्रबंधन समिति ने बाकायदा प्रेस कॉंफ्रेस में स्कूल यूनिफार्म से विवादित हिजाब की अनिवार्यता समाप्त करने और कराई जा रही प्रार्थना में बदलाव की बात कही, जिसका कुछ देर बाद पुलिस व कलेक्टर ने भी पत्रकार वार्ता कर पुष्टी की।

निरीक्षण में स्कूल नजर आया धर्मांतरण का अड्डा

निर्देशों के बाद जब राज्य बाल अधिकार आयोग व बाल कल्याण समिति के सदस्यों ने स्कूल का निरीक्षण किया तो स्कूल के अंदर जो हालात सामने आए वह हैरान करने बाले थे। जांच में सामने आई स्थितियों से यह स्पष्ट हो गया कि स्कूली शिक्षा के नाम पर बच्चों को धर्मांतरण की तरफ धकेला जा रहा था। स्कूल में उर्दू व अरबी भाषा की ऐसी किताबे जो पाठ्यक्रम का हिस्सा नही थी, धार्मिक पुस्तकें, दीबारों पर धार्मिक लेखन ही नजर आया। इसके आलावा स्कूल से मस्जिद तक जाने का रास्ता सहित स्कूल की प्राचार्य अफ्सा शेख सहित दो महिला शिक्षकों अनीता खान व तबस्सुम खान के द्वारा धर्म परिवर्तन किए जाने की पुष्टि हुई जो पहले हिंदु धर्म से थी और सामने आया कि स्कूल प्रवेश के पूर्व चौकीदार द्वारा छात्राओं को हिजाब पहनाए जाने के लिए दबाव डाला जाता था। इसके बाद निरीक्षण में शामिल राज्य बाल संरक्षण आयोग सदस्य ओंकार सिंह ने स्पष्ट रूप से यह माना कि स्कूल में बच्चों को धर्म परिवर्तन कराए जाने के हालात सामने आए है। वहीं इस दौरान छात्राओं को जबरन हिजाब पहनाए जाने की भी पुष्टी बच्चों व अभिभावकों के वयानों से हो गई।

गिरफ्तारियों के पूर्व आरोपी हुए फरार

आरोपों की पुष्टि होने के बाद जहाँ धर्मांतरण से जुड़ी धारा को एफआईआर में बढ़ाया गया और साथ ही साथ स्कूल प्रबंधन समिति से जुड़े कुल 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया जिसमें मुख्य रूप से गंगा जमुना समूह के संचालक मुहम्मद इदरीश, मुहम्मद मुस्ताक सहित उनके परिजन व अन्य लोग शामिल थे। लेकिन पुलिस द्वारा गिरफ्तारियां शुरु होने के पूर्व ही मामले से जुड़े आरोपी फरार हो गए और पुलिस द्वारा लगातार धड़ पकड़ किए जाने के बाद भी महज तीन आरोपी जिसमें स्कूल प्राचार्य अफ्सा शेख, शिक्षक अनस अतहर व चौकीदार रुस्तम अली ही पुलिस की गिरफ्त में आए है जिनकी जमानत याचिका भी न्यायालय द्वारा खारिज किए जाने के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया है। वहीं शेष आरोपी की तलाश में पुलिस जुटी हुई है। गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी पुलिस की माने तो आरोपी काफी शातिर है और उनका नेटवर्क भी काफी मजबूत है जिसके चलते वह खुद को पुलिस से बचाने में सफल हो रहे है, लेकिन जल्द ही उनकी गिरफ्तारी की जाएगी।

जांच शुरु हुई तो हर कारोबार में अनैतिक कृत्य

गंगा जमुना कारोबार के संचालक क्षेत्र में अपने रसूख और गंगा जमुना तहजीब को साथ लेकर चलते हुए प्रतिष्ठ चेहरों में गिने जाते थे, जिसके चलते मुस्लिम समुदाय ही नहीं अन्य धर्म के लोग भी इन पर भरोसा करते थे। लेकिज जब जब प्रशासनिक स्तर पर गंगा जमुना समूह के व्यापारों की सभी पहलुओं पर जांच शुरु हुई तो हर व्यापार में अनैतिक कृत्य होना सामने आने लगा, जिसके चलते संबंधितों पर मामले भी दर्ज किए जा रहे है। लेकिन प्रश्न यह भी है कि आखिरकार

प्रशासन अभी तक किस नींद में था जो इतने गंभीर हालात उसे नजर नहीं आए। वहीं गंगा जमुना समूह के जिन प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई हुई है उसमें निम्न खामियां सामने आई है। जिसमें गंगा जमुना स्कूल, गंगा जमुना दाल मिल व बीड़ी फैक्ट्री, गंगा जमुना धर्मकांटा, गंगा जमुना पैट्रोल पंप, गंगा जमुना फैशन, विभिन्न स्थानों पर जमीनों सहित भोपाल में भी कई ऐसी सम्पत्तियां होने की बात सामने आई है जिसे नाम बदलकर भी संचालित किया जा रहा था। इन सबकी जांच के दौरान जबरन हिजाब पहनाना, धार्मिक प्रार्थना व धार्मिक साहित्य का अध्ययन व याद करने के लिए दबाव डालना, स्कूल इमारत का अवैध रूप से निर्माण करना, जीएसटी में हेरफेर, आय व्यय का हिसाब नहीं, विदेशों से फंडिग की आशंका की जांच, जमीनों में प्रशासन की मिलीभगत से हेरफेर, प्रतिष्ठानों में अवैध लकड़ी समेत भोपाल में भी नाम बदलकर छात्रावास संचालित करने की शिकायतें सामने आई है। इन सब की जांच के दौरान अभी तक प्रशासन ने कार्यवाही करते हुए धर्मांतरण समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर तीन गिरफ्तारियां, स्कूल की मान्यता निलंबित करना और मान्यता रद्द करने के लिए समय सीमा, स्कूल के अवैध निर्माण का हिस्सा तोड़ते हुए आगामी जांच जारी है। वहीं जीएसटी विभान ने भी टैक्स चोरी के मामले में प्राथमिक जांच में ही 78 लाख 68 हजार 965 रुपए सरेंडर कराए है और जांच अभी भी जारी है। चूकि कारनामों को काला चिट्ठा काफी बड़ा है जिसकी परतें धीरे धीरे खुल रही है तो आगामी दिनों में भी कई बड़ी बातें इस मामले में निकलकर सामने आने की संभावना है।

सबसे बड़ा बम जबलपुर में बनेगा, 500 थाउजेंड पाउंडर का मिला ऑर्डर

जीआईएफ के हाथ लगा प्रोडक्शन टारगेट, इससे पहले 5 बम बनाकर दिखाई थी काबलियत

देश का सबसे बड़ा बम 1000 पाउंडर की ढलाई अब ग्रे आयरन फाउण्ड्री में ही होगी। जबलपुर के लिहाज से यह इसलिए भी बेहद अहम है, क्योंकि बमों की फिलिंग यहीं आयुध निर्माणी खमरिया में की जाती है। इस तरह सामरिक नजरिए से देखा जाए तो सबसे बड़े बम को ढालने से लेकर उसकी फिलिंग का काम जबलपुर के सुरक्षा संस्थानों में होगा।

ग्रे आयरन फाउण्ड्री को पहली बार 500 थाउजेंड पाउंडर बमों के निर्माण का टारगेट सौंपा गया है। जानकारों का कहना है कि जीआईएफ के लिए यह अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। इससे पहले तक अम्बाझरी आयुध निर्माणी में इस बम की ढलाई होती रही है। जानकारों का कहना है कि रक्षा मंत्रालय ने यह भी आश्वस्त किया है कि प्रोडक्शन वक्त पर पूरा कर लिया जाता है तो और 500 बमों का ऑर्डर सौंपा जाएगा।

पहले 5 बम तैयार, फिर बड़ा टारगेट

जीआईएफ के लिए 1000 पाउंडर बम नया प्रोडक्ट रहा है। कुछ साल पहले ही फाउण्ड्री को पाँच बम बनाकर दिखाने के निर्देश दिए गए थे। गौर करने वाली बात यह है कि कर्मचारियों ने इस प्रोडक्ट

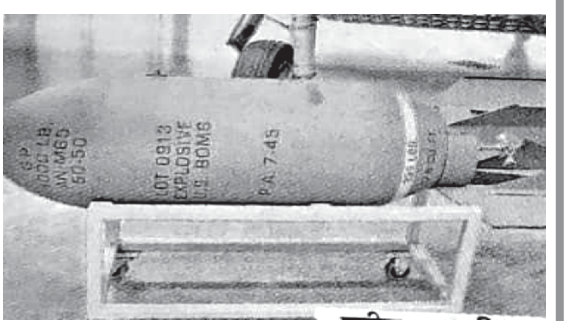

पर पूरा फोकस किया और वक्त रहते दो बम तैयार कर टेस्टिंग के लिए भेज दिए। तमाम पैरामीटर्स पर खरा उतरने के बाद जीआईएफ को हरी झण्डी दी गई। जीएम सुकांता सरकार ने प्रयास किए और इनाम स्वरूप अब यह बड़ा ऑर्डर भी मिल गया।

फिनिशिंग भी होगी

जीआईएफ में बमों की ढलाई के अलावा फिनिशिंग का काम भी होगा। इसके बाद बम सीधे आयुध निर्माणी खमरिया को सप्लाई कर दिए जाएँगे। जानकारों का कहना है कि इससे पहले तक ओएफके में थाउजेंड पाउंडर बमों की फिलिंग तो होती रही है लेकिन इसके लिए शेल अम्बाझरी से मिलता रहा है।

जिहादी से शादी करने पर माता-पिता ने किया नर्मदा तट पर बेटी का पिंडदान, छपवाए शोक संदेश के कार्ड

—डॉ. मयंक चतुर्वेदी

जबलपुर। मध्य प्रदेश में लव जिहाद के मामले लगातार आ रहे हैं, अभी एक सप्ताह भी नहीं बीता इसी लव जिहाद के चलते राज्य की संस्कारधानी जबलपुर में बेसबॉल की नेशनल प्लेयर संजना वरकडे को आत्महत्या के लिए मजबूर होना पड़ा तो वहीं, बीते दिनों एक निकाह का कार्ड सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लड़की के माता–पिता एसपी ऑफिस में गुहार लगाते नजर आए थे कि हमारी बेटी को वापिस दिला दो। अब इस मामले में नया मोड़ आया है बेटी तो घर वापिस नहीं आई लेकिन मुस्लिम युवक से शादी करने पर माता–पिता नर्मदा तट पर बेटी अनामिका का पिंडदान करने जा रहे हैं, इसके लिए उन्होंने कार्ड छपवाकर समाज के बीच बांटे हैं।

नर्मदा तट पर हुआ अनामिका के शोक में मृत्युभोज और पिंडदान उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पूर्व मामला सामने आने के बाद जबलपुर में एसपी दफ्तर में बड़ा हंगामा देखने को मिला था। हिंदुवादी संगठनों के साथ लड़की के माता–पिता बेटी के धर्म परिवर्तन, निकाह के कार्ड में उनका नाम होने पर लड़के पर कार्रवाई की मांग कर रहे थे। लेकिन जब एंगल अपनी मर्जी से जाने का सामने आया और लड़की अपने माता–पिता के पास आकर नहीं रहना चाहती है, तब ऐसे में माँ–बाप अपनी बेटी अनामिका को मृत मानकर उसके पिंडदान की तैयारी में लग गए। रविवार को नर्मदा तट पर वे अनामिका के शोक में मृत्युभोज और पिंडदान आयोजित किया गया है।

दरअसल, जबलपुर में लव जिहाद के इस मामले में मुस्लिम लड़के अयाज खान ने पहले हिंदू बन कर लड़की अनामिका दुबे से चैट शुरू की फिर उसे अपने प्रेमजाल में फंसाया, उससे कोर्ट मैरिज की। फिर लड़की अपने पिता के घर सामान्य रूप से रहती रही, लेकिन अब जब समाजिक मुस्लिम रिवाजों के साथ किए जानेवाले उसके निकाह का शादी कार्ड जिसमें कि उसका नाम भी बदलकर अनामिका की जगह उजमा फातिमा कर दिया गया है, वह सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तब जाकर लड़की के घर वालों को पता चल सका है कि आगामी सात जून को ये दोनों निकाह करने जा रहे हैं। मुस्लिम लड़के अयाज खान ने उनकी बेटी का धर्म परिवर्तन भी करा दिया है। 'द केरल स्टोरी' फिल्म में जिस तरह से लव जिहाद का रूप दिखाने के साथ ही धर्मपरिवर्तन को दिखाया गया, वैसा ही वाकया यहाँ घटता हुआ दिखाई दिया ।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस शोक संदेश में परिवार वालों ने अनामिका का फोटो लगवाया है। लड़की के पिता चंद्रिका प्रसाद दुबे इस घटना के बाद काफी स्तब्ध हैं, वे ज्यादा किसी से कुछ बातचीत नहीं कर रहे, लेकिन बहुत कुरेदने पर बोले कि जब उन्हें पता चला है कि दोनों मुस्लिम रीति–रिवाज से निकाह करने की तैयारी में हैं। निकाह की तारीख सात जून दी गई है। कार्ड में बेटी अनामिका का नाम उजमा फातिमा लिखे होने के साथ मेरा भी नाम लिखा है। सोशल मीडिया पर वायरल इस कार्ड को देखकर हमारे परिवार के सभी लोग सकते में आ गए कि हमारी बेटी ऐसा कैसे कर सकती है।

पिता का आरोप है कि ब्राह्मण परिवार की बेटी का ब्रेन वॉश कर धर्म परिवर्तन कराया गया है। अनामिका की मां का कहना है कि वह अब उनके लिए मर चुकी है। उसने अपने धर्म को त्याग दिया है लेकिन हमारे संस्कार अभी जीवित हैं, इसलिए अपनी बेटी के हर वो संस्कार पूरे करेंगे जो किसी परिजन की मौत के बाद किए जाते हैं। इस मामले में पुलिस का कहना है कि उसे इसमें लव जिहाद का एंगल नहीं मिला, माता–पिता भी इस शादी के लिए राजी थे जबकि जमीनी सच्चाई कुछ ओर ही दिखाई दे रही है। क्योंकि यदि माता–पिता शादी के लिए राजी थे, तब वे अनामिका का अब शोक संदेश कार्ड छपवाकर मृत्युभोज और पिंडदान क्यों कर रहे हैं।

हिन्दू संगठनों का मानना, एडवांस लव जिहाद की शिकार हुई अनामिका हिन्दू संगठन के नेता योगेश अग्रवाल एवं हीरा तिवारी ने इसे 'एडवांस लव

जिहाद' बताया है। यानि मुस्लिम लड़के के द्वारा हिन्दू लड़की से पहले गुपचुप कोर्ट मैरिज फिर उसका धर्म परिवर्तन करवाकर आगे की साजिश रची जाकर सामाजिक तौर पर निकाह करना। इनका कहना है कि शादी के कार्ड को वायरल कर लड़की के माता–पिता परिवार की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का षड्यंत्र भी रचा गया था ।

यह जाँच का विषय है! अयाज खान भी तो नहीं था इन संदिग्ध आतंकियों के संपर्क में भले ही आज अनामिका के माता–पिता उसका पिंडदान कर रहे हैं, लेकिन कहना होगा कि लव जिहाद के इस मामले को देखकर लगता है कि एनआईए की हाल में की गई जबलपुर की छापामार कार्रवाई में जो राज ये आईएसआईएस के संदिग्ध आतंकी उगल रहे हैं। जमीनी तौर पर वह उसे संभवतः अयाज खान जैसे लड़कों के माध्यम से ही हकीकत में बदलने में लगे हुए थे, जिसमें कि पहले हिन्दू बनकर लड़की को अपने प्रेमजाल में फंसाया गया, उसके साथ फिजिकल संबंध बनाए गए और फिर बेनवाश का खेल शुरू किया गया। यह भी एक जाँच का विषय जरूर है कि कहीं जबलपुर का रहने वाला ये अयाज खान भी तो उन पकड़े गए आतंकियों के संपर्क में नहीं था, क्योंकि पेटर्न वही है, लड़की को अपने प्रेमजाल में फंसाने का।

EKLAVYA UNIVERSITY
ज्ञानप्राप्तये लक्ष्यसन्धानम्
Sagar Road, Damoh (MP) India
Estd. by Madhya Pradesh Niji Vishwavidyalaya (Sthapana Avam Sanchalan) Adhiniyam 2021, estd. Sept. 2020 and Reinstated, 30th March 2021, No. 184
•Registered under UGC 2(f)/12(b) Act 1956
COURSES APPROVED

Admission Open for 2023-24

Ph.D. Masters, Bachelor, Diploma & Certificates in

Engineering, Computer Science, Basic and Applied Sciences, Forensic Science
Agriculture, Library Science, Management, Education, Physical Education
Commerce, Nursing, Paramedical Sciences, Fashion Design, Social Work
Performing Arts, Fine Arts, Arts & Humanities, Yoga/Naturopathy

Notifications will soon be issued for Full Time/ Part Time Ph.D. Entrance Examination in all the subjects.

Applications are invited for the following posts

- Deputy & Asst. Registrars
- Dean Academics
- Dean Student Welfares
- Dean Research
- Director Admissions
- Proctor
- Administrator
- Training & Placement Officer
- Computer Operators
- Office Executives
- Counsellors
- Admission Officers
- Private Assistance
- Purchase Executives
- HR Managers
- Accounts & Finance Executives

Professor, Associate Professor, Assistant Professor in
- Management
- Commerce
- Education
- Physical Education
- Library Science
- Journalism
- Agriculture

Agronomy, Horticulture, Soil Science, Genetics & Plant Breeding (GPB), Plant Pathology, Seed Technology, Agricultural Extension & Communication
- Naturopathy & Yogic Sc.
- Nursing

Child Health, Mental Health, Obstetrics & Gyanecology, Community Health, Medical, Surgical
- Paramedical Sciences
- History
- Geography
- Sociology
- Economics
- Political Science
- Psychology
- Hindi Lit.
- English Lit.
- Sanskrit Lit.
- Jain & Prakrit
- Philosophy
- Zoology
- Botany
- Chemistry
- Physics
- Mathematics
- Microbiology
- Biochemistry| Biotechnology
- Forensic Science
- Computer Application
- Design

Fashion Design
- Fine Arts

Drawing & Painting, Sculpture, Applied Arts
- Performing Arts

Vocal Music, Swar Vadya, Sugam Sangeet, Kathak, Bharatnatyam, Oddisi
- Engineering

Civil, Mechanical, Electrical & Electronics, Computer Science, Electronics & Comm.

Walk-in interview on Sunday, 4 June 2023, at university campus

• Qualifications and experience as per UGC norms. Salary as negotiated.
• University reserves the right, not to fill any of the above positions.
• Aplication on plain paper containing details of High School, Intermediate, Graduation, Post Graduation, Ph.D. along with attested photocopies of testimonials/ Certificates with complete Resume and two passport size photographs should reach the Registrar or e-mail (hr@eklavyauniversity.ac.in) within 7 days of the publication of this advertisement. or Contact : 7987358612 (HR)

YOUR Future Choice
विषय का चयन अविष्य की दिशा तय करता है...
अपने अविष्य की सही दिशा दें...

www.eklavyauniversity.ac.in | email: info@eklavyauniversity.ac.in
7999589970 | 9753040755 | 7987358612
Stay Connected

वक्तव्य

सुधांशु त्रिवेदी
राष्ट्रीय प्रवक्ता, भाजपा

यहाँ मसला गीता प्रेस का नहीं, बल्कि गीता (धार्मिक पुस्तक) का है और भारतीय संस्कृति एवं हिन्दुत्व का विरोध करना कांग्रेस की खानदानी आदत रही है जो जवाहर लाल नेहरू के समय से चली आ रही है।

गीता प्रेस को गांधी शांति पुरुस्कार देना वास्तव में एक उपहास है और यह गोडसे व सावरकर को सम्मानित करने जैसा है।

जयराम रमेश
राष्ट्रीय महासचिव, कांग्रेस

पहेली–3

'केसरी' औ 'मराठा' के पत्रकार कौन हुए?
क्रांति कार्य में ही जिन जीवन लगा दिया।
गोरों से लड़ाई लड़ी, लाठी और जेल भोगी,
पर शत्रुओं को इस देश से भगा दिया।
जेल में भी शांत नहीं, लेखनी निरंतर से,
गीता जी का भेद लिख भेद को बता दिया।
मराठा की भूमि धन्य धन्यता से भरापूत,
मातृभू पै कुर्बानी हेतु जो जुटा दिया।।

पहेली–2 का उत्तर–छत्रपति शिवाजी

मुंशी प्रेमचंद

अमृत वचन

मेरे हृदय में केवल एक अभिलाषा बाकी है कि मैं अपने मातृभूमि का रजकण बनूँ।

लव जिहाद का शिकार हुई बेसबॉल की राष्ट्रीय खिलाड़ी

मध्यप्रदेश में लव जिहाद और धर्मांतरण के समाचार लगातार सामने आ रहे हैं। इसी कड़ी में जबलपुर में बेसबॉल राष्ट्रीय खिलाड़ी संजना वरकड़े की घटना है जिसने अब्दुल की प्रताड़ना से तंग आकर अपनी जान दे दी।

–डॉ. नूपूर निखिल देशकर

जबलपुर के संजीवनी नगर थाना क्षेत्र में बेसबॉल नेशनल प्लेयर की फाँसी लगाकर आत्महत्या करने के मामले में पुलिस ने आरोपी राजन उर्फ अब्दुल अंसारी को बंदी बना लिया है। प्रारंभिक जाँच में ये सामने आ रहा है कि अब्दुल उर्फ राजन संजना को बहुत प्रताड़ित करता था। जिससे परेशान होकर 5 जून को संजना बरकड़े ने फाँसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने बताया कि संजना बरकड़े संजीवनी नगर थाना क्षेत्र स्थित गंगानगर में किराए के मकान में अपने माता–पता के साथ रहती थी। 20 वर्षीय संजना बरकड़े को जो बेसबॉल की राष्ट्रीय खिलाड़ी थीं। मूल रूप से सिवनी जिले के धूमा की रहने वाली थीं। वह खेल की जरूरी सुविधा के कारण से जबलपुर आकर रहने लगी थीं। मानकुंवर बाई कॉलेज में बी.ए. द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रही थीं। उनके माता–पिता भी संजना को खेल और पढ़ाई में सहयोग देने सिवनी से जबलपुर रहने आए थे। सोशल मीडिया इंस्टाग्राम के जरिए संजना वरकड़े की रीवा निवासी राजन उर्फ अब्दुल अंसारी से मित्रता हुई।आरोपी अब्दुल ने संजना को राजन नाम से फंसाया था।.....

लगभग 1 वर्ष तक दोनों के बीच बातचीत चलती रही। मित्रता आगे और फिर राजन उर्फ अब्दुल अंसारी संजना पर अनैतिक संबंध बनाने के लिए दबाव डाल रहा था।..... संजना के मना करने पर अब्दुल ने संजना के कई निजी फोटो और वीडियो को सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया था। जिससे वो काफी परेशान हो गई थी। माता पिता जब सिवनी के एक वैवाहिक कार्यक्रम में गये तब संजना ने यह आत्मघाती कदम उठाया। संजना के पिता ने पुलिस के सामने अपना बयान दर्ज कराया है, जिसके अनुसार आरोपी अब्दुल अंसारी संजना को मुस्लिम धर्म अपनाने के लिए भी मजबूर कर रहा था। वह उसके मेडल और खेल के सभी प्रमाण पत्र घर से लेकर चला गया।

कटनी की बेटी मीनाक्षी क्षत्रिय की प्रधानमंत्री मोदी ने की सराहना

गुल्लक तोड़कर टीबी मरीजों के लिए दी थी राशि

जिले भर में बनाए गए हैं निक्षय मित्र

मन की बात में मीनाक्षी की चर्चा होने से नगर व जिले का भी गौरव बढ़ा है। क्षय रोगियों को बेहतर पोषण आहार मिल सके इसको लेकर जिले भर में निक्षय मित्र बनाए गए थे। निक्षय मित्र बनने के लिए निर्धारित राशि जमा कराई जा रही है और उस राशि से हर माह मरीजों को अनाज भेंट किया जा रहा है ताकि मरीज दवा के साथ पोषण आहार भी मिल सके। कलेक्टर प्रसाद के आव्हान पर जिले में प्रथम चरण में 135 निक्षय मित्र बने थे और उनकी संख्या लगातार बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री भी कर चुके हैं सराहना

संकल्प से प्रेरित होकर अपनी गुल्लक में जमा पैसों को टीबी रोगियों के पौष्टिक आहार के लिए रेडक्रास को भेंट करने वाली 13 वर्षीय मीनाक्षी क्षत्रिय पीड़ित मानव सेवा के लिए समर्पण को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया और प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी सराह चुके है। मीनाक्षी के योगदान को सराहते हुए रेडक्रास सोसायटी कटनी के अध्यक्ष और कलेक्टर ने उसे सोसायटी का आजीवन सदस्य और कटनी जिले में निक्षय मित्र योजना का ब्रांड एंबेसडर भी बनाया था।

राज्यपाल ने किया था सम्मान

25 अप्रैल को राजभवन भोपाल में नवाचार के लिए कलेक्टर का सम्मान राज्यपाल ने किया था। उस दौरान मीनाक्षी का भी सम्मान किया गया था।

दलित किशोरी से 3 वर्ष तक शारीरिक शोषण कर बनाया विडियो

शादी के लिये बनाया धर्म परिवर्तन का दबाव

पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दुष्कर्म एवं धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत मामला पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में एक वनवासी छात्रा के साथ अश्लील वीडियो बनाकर पिछले तीन सालों से दुष्कर्म करने और मतांतरण करने के लिए दबाव बनाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने कोतमा थाने में जनजाति कन्या के साथ लव जिहाद किए जाने का प्रकरण पंजीबद्ध किया है।

दरअसल, भालूमाड़ा थाना अंतर्गत निवास करने वाली यह जनजाति छात्रा तीन वर्ष पूर्व जब 11वीं कक्षा में अध्यनरत थी तब एक मुस्लिम युवक ने उसे पहले अपने प्रेमजाल में फंसाया और शारीरिक शोषण करते हुए चुपके से उसका वीडियो बना लिया। उसके बाद से लगातार वह तीन वर्ष से इस छात्रा को ब्लैकमेल कर रहा था और मतांतरण कर शादी करने का दबाव बना रहा था, जिसके बाद मानसिक दबाव और प्रताड़ना से तंग आकर आखिरकार छात्रा ने हिम्मत दिखाई और थाने पहुंचकर महिला पुलिस के सामने अपनी आपबीती खुलकर सुना दी।

छात्रा की बातें सुनने और उसके द्वारा इस मुस्लिम युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का कहने पर पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मामला पंजीबद्ध करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर धारा 354 (डी), 376(2), 506 भा.द.वि. 3(2)व्ही, 3 (1) (डब्ल्यू) (आईआई) एससी एसटी एक्ट और 5/6 धार्मिक स्वतंत्रता अधियिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया है।

इस वनवासी छात्रा ने अपनी लिखित शिकायत में बताया कि अहमद हुसेन निवासी क्वार्टर नंबर 24 दफाई नंबर 2 निवासी के द्वारा मुझे अपने प्रेमजाल में फंसाकर शारीरिक शोषण कर ब्लैकमेल करने के साथ ही मतांतरण करने के लिए लगातार दबाव डाला जा रहा है। पीड़िता ने बताया कि अभी मैं कॉलेज में पढ़ रही हूँ। जब मैं कक्षा 11वीं की छात्रा थी, तब आरोपी अहमद भी मेरे साथ पढ़ता था। अहमद ने मुझे प्रपोज किया था। मैंने उसको मना कर दिया, उसके बाद भी वह पीछे पड़ा रहा। मैं स्कूल जाती थी या आती थी, तब वह मेरा पीछा किया करता। मैंने परेशान होकर उससे दोस्ती कर ली। उसके बाद दोनों की बातचीत होने लगी और मिलना जुलना भी होने लगा।

छात्रा ने आगे कहा कि सेकेंड ईयर में पढ़ाई कर रही थी, तो अहमद मिलने के लिए कॉलेज आता था। वह शारीरिक संबंध बनाने के लिए दबाब डालने लगा। मैंने मना कर दिया, तो वह धमकी देने लगा। उसने कहा कि तुम मेरी गर्लफ्रेंड हो यह बात तेरे घर पर बता दूंगा। 25 जून 2020 को अहमद ने जबरन पहली बार शारीरिक संबंध बनाए। उसने चुपके से इसके फोटो और वीडियो भी बना लिए थे। मैं तीन वर्ष तक जैसे–तैसे सब कुछ सहन करती रही। समय के साथ अहमद का अत्याचार भी बढ़ने लगा और वह बार–बार यही कहता है कि तुम मतांतरण करके मुस्लिम बन जाओ, उसके बाद मैं तुमसे शादी कर लूंगा। छात्रा ने बताया कि जब मैं 25 मई को कॉलेज गई, तब एक बार फिर अहमद वहाँ पहुंचा। उसने मतांतरण करने की बात कही। मैंने मना कर दिया, तो वह अश्लील वीडियो और फोटो को वायरल करने की धमकी देने लगा। उसने मुझे जान से मारने की भी धमकी दी। वह समाज में बदनाम कर देने की बात कहने लगा। इसके बाद ही मैंने परेशान होकर थाने की शरण ली है। पूरे मामले को लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर अभिषेक राजन का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर दुष्कर्म एवं धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत मामला पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

सुभाषित

नाभिषेको न संस्कारः सिंहस्य क्रियते मृगैः।
विक्रमार्जितराज्यस्य स्वयमेव मृगेंद्रता।।

– भावार्थ –

सिंह को जंगल का राजा घोषित करने के लिए न कोई अभिषेक किया जाता और न कोई संस्कार किया जाता है। वह अपने गुणों एवं पराक्रम से स्वयं ही वनराज अर्थात् जंगल के राजा का पद प्राप्त करता है।

जबलपुर में ISIS से जुड़े 3 आतंकी गिरफ्तार

हथियार, गोला-बारुद और डिजिटल डिवाइस बरामद

मध्यप्रदेश के जबलपुर में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) और प्रदेश ATS ने जॉइंट ऑपरेशन में ISIS से जुड़े आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में जबलपुर से तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ये गिरफ्तारियां 26–27 मई को जबलपुर में 13 जगहों पर रातभर की छापेमारी के बाद की गईं।

छापेमारी में भारी मात्रा में धारदार हथियार, गोला–बारूद, आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस जब्त किए गए हैं।

गिरफ्तार तीन आरोपियों को भोपाल की विशेष NIA कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने आरोपी सैयद ममूर अली, मोहम्मद आदिल खान और मोहम्मद शाहिद को 7 दिन की रिमांड पर सौंप दिया है। तीनों को तीन जून को दोबारा कोर्ट में पेश किया जाएगा।

ISIS के प्रचार–प्रसार में लगे थे आरोपी

NIA के प्रवक्ता ने बताया कि अगस्त 2022 में आरोपी मोहम्मद आदिल खान का नाम जाँच एजेंसी के जानकारी में आया था। तब से उसकी जाँच की जा रही थी। ISIS समर्थक गतिविधियों की जानकारी मिलते ही NIA ने 24 मई को मामला दर्ज किया।

आदिल और उसके सहयोगियों पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के साथ ही जमीनी प्रोग्राम दावा के जरिए ISIS के प्रचार–प्रसार में शामिल होने का आरोप है। यह मॉड्यूल स्थानीय मस्जिदों और घरों में बैठकें करता था और देश में आतंक फैलाने की साजिशें रच रहा था। खान केई यूट्यूब चौनल्स, इंस्टाग्राम और वॉट्सऐप ग्रुप चला रहा था।

जाँच से पता चला कि तीनों आरोपी कट्टरपंथी हैं। इनके मंसूबे हिंसक जिहाद को अंजाम देने के थे। वे फंड जमा करने, ISIS प्रचार सामग्री का प्रसार करने, युवाओं को बरगलाने, भर्ती करने और आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के मकसद से हथियार और गोला–बारूद खरीदने की कोशिश में लगे थे।

सैयद ममूर अली ने फिसाबिलिल्लाह के नाम से एक ग्रुप बनाया था। वह इसी नाम से एक वॉट्सऐप ग्रुप भी चला रहा था। वह अपने साथियों के साथ पिस्तौल खरीदने की कोशिश कर रहा था। इसके लिए अवैध रूप से हथियार सप्लाई करने वाले के संपर्क में था।

जाँच में पता चला कि तीसरा आरोपी शाहिद हथियार जमा करने की कोशिश में लगा था। उसने पिस्तौल के साथ ही IED और ग्रेनेड खरीदने का प्लान बनाया था। ताकि हिंसक वारदातों को अंजाम दे सके।

NIA और MP-ATS ने जबलपुर में 13 जगहों पर मारे छापे

नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (NIA) ने जबलपुर के 13 इलाकों में छापे मारे। टीम ने मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के वरिष्ठ वकील ए. उस्मानी को भी हिरासत में लिया है। NIA ने देर रात उनके घंटाघर और ओमती स्थित मकानों समेत ऑफिस पर दबिश दी। सिविल लाइन इलाके के सुप्रीम प्लाजा अपार्टमेंट से भी दो लोगों को हिरासत में लिए जाने की जानकारी है। बताया जा रहा है कि NIA टीम ने उस्मानी समेत करीब 13 लोगों को हिरासत में लिया है।

अबू सलेम की पैरवी करने वाले वकील को तलब किया NIA ने सिविल लाइन इलाके के सुप्रीम प्लाजा अपार्टमेंट में रहने वाले एडवोकेट नईम खान को नोटिस देकर भोपाल बुलाया है। वे अंडरवर्ल्ड डॉन अबू सलेम के मामले में पैरवी कर चुके हैं। घर की घेराबंदी, इलाका छावनी में तब्दील वकील ए. उस्मानी के मुस्लिम बहुल इलाके स्थित घर पर NIA की टीम पहुंची। टीम में दिल्ली और भोपाल के करीब एक दर्जन IPS अफसर और 200 पुलिसकर्मी शामिल थे। टीम ने वकील के घर के अंदर जाकर छानबीन और पूछताछ की। कार्रवाई शुरू होने के साथ ही उनके घर की घेराबंदी कर घंटाघर और ओमती में रोड के दोनों सिरों पर बैरिकेड लगा दिए गए। आवाजाही पूरी तरह रोक दी गई थी। जबलपुर SP तुषारकांत विद्यार्थी भी बाद में पहुंचे थे।

हिस्ट्रीशीटर अब्दुल रज्जाक के घर मिला था हथियारों का जखीरा

दो साल पहले जबलपुर पुलिस ने गैंगस्टर अब्दुल रज्जाक के घर दबिश दी थी। तलाशी में 12 बोर की एक पंप एक्सन गन, 12 बोर की दोनाली बंदूक, 315 बोर की राइफल, स्पोर्टिंग 315 बोर, 0.22 बोर की इटली मेड राइफल, 10 कारतूस और 15 बकानुमा चाकू जब्त किए थे। राइफल और बंदूकों के बारे में रज्जाक कोई लाइसेंस नहीं दिखा पाया। सभी हथियारों को जब्त करते हुए ओमती थाने में उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट का केस दर्ज किया गया था।

सतना में धर्मांतरण की कोशिश

ग्रामीणों को बरगलाते पकड़ाए मिशनरीज के 2 युवक और महिला

सतना जिले में धर्मांतरण की कोशिश करने का मामला सामने आया है। मझगवां थाना क्षेत्र के मोटवा गाँव में प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन का प्रयास करते पुलिस ने 2 युवकों को गिरफ्तार किया है जबकि एक महिला आरोपी की गिरफ्तारी बाकी है।

जानकारी के मुताबिक मझगवां थाना पुलिस ने ग्राम मोटवा में ग्रामीणों को बरगला कर धर्म परिवर्तन का प्रयास कर रहे दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में रोशन कुमार पिता शंभू राम 25 निवासी महुजी थाना धीना जिला चंदौली उप्र और मायाराम निंगवाल पिता रमेश निंगवाल 31 निवासी कंडरा थाना पाटी जिला बड़वानी मप्र शामिल हैं। दोनों युवक ईसाई मिशनरीज से जुड़े हैं और गाँवों में जाकर ग्रामीणों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रलोभन देकर प्रेरित करने का काम करते हैं।

इतना ही नहीं अपने प्रभाव में लेकर ये लोगों से हिन्दू धर्म की बुराई भी करते हैं और उन्हें इस कदर बरगलाते हैं कि वे हिन्दू धर्म और देवी देवताओं के प्रति अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करने से नहीं चूकते। इन दोनों के अलावा मोटवा गांव की ही आरती साकेत पत्नी भगवानदीन साकेत भी इनके सहयोगी के तौर पर काम करती है। पुलिस ने दोनों युवकों और महिला समेत 3 आरोपियों के खिलाफ धर्मांतरण का प्रयास करने और हिन्दू देवी–देवताओं के प्रति अपशब्दों का इस्तेमाल करने के आरोप में आईपीसी की धारा 295A और म.प्र. धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 की धारा 3 और 5 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। दो आरोपियों रोशन और मायाराम को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया है।

बताया जाता है कि ईसाई मिशनरीज से जुड़े दोनों युवक मोटवा में आरती साकेत की मदद से ग्रामीणों का धर्म परिवर्तन कराने पहुंचे थे। इसकी सूचना विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को मिली तो वे भी पुलिस को सूचना देकर मोटवा जा पहुंचे, जिस वक्त पुलिस के साथ बजरंगी वहां पहुंचे तो सभा लगी हुई थी। जब उस पर ऐतराज जताया गया तो आरती ने हिन्दू देवी देवताओं के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल शुरू कर दिया। मिशनरीज के लोगों ने वहां हंगामा खड़ा करने की कोशिश भी की।

पुलिस ने भी उन्हें समझाइश देने की कोशिश की लेकिन आरती और मिशनरीज के लोगों ने अन्य महिलाओं को भी भड़काना शुरू कर दिया। इस मामले में मनोज कोरी पिता दुर्गा प्रसाद कोरी 47 वर्ष निवासी गढ़िया टोला सतना ने मझगवां थाना पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिस पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

सच्चा नेतृत्व

प्रेरक प्रसंग

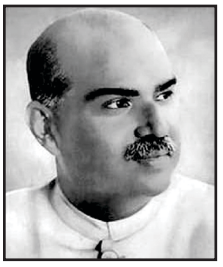

एक बार पुलिस ने पूर्वी पाकिस्तान से आने वाले शरणार्थियों को हटाने के लिए उनकी झोपड़ी में आग लगा दी और उन पर लाठी चार्ज भी किया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को बात पता चली, तो वे तुरन्त वहाँ पहुँचे और उन्होंने सर्वप्रथम तो जहाँ–जहाँ आग सुलग रही थी, उसे बुझवाने का काम किया, फिर लोगों से सारा हाल मालूम किया। कोई पुलिस अधिकारी वहाँ मौजूद नहीं था, यह देखकर उन्होंने समीप के थाने से पुलिस अधिकारी को बुलाकर उसकी खूब खबर ली। पश्चात् घर लौटकर पुलिस कमिश्नर को फोन कर उसे तत्काल हाजिर होने को कहा। थोड़ी देर बाद उसके आने पर उसे भी उन्होंने बुरी तरह आड़े हाथों लिया और उसे बोले, ये विचारे घर–बार खोकर गली–रास्तों पर पड़े रहे। तुम्हें शर्म नहीं आई इनके झोपड़े जलाते और इन पर लाठियाँ चलाते? क्या तुम्हारे कोई भाई–बहन नहीं हैं? फिर पुलिस कमिश्नर ने क्षमा माँगते हुए उचित जाँच करके दोषी पुलिस कर्मचारियों को दण्ड देने का आश्वासन दिया। फिर डॉ. मुखर्जी ने बेघर–बार शरणार्थियों के आवास की ओर ध्यान दिया।

मानव तस्करी गैंग को पुलिस ने किया गिरफ्तार

आरोपी मुकदमे के नाम पर करते थे वसूली, सीएम हेल्पलाइन पर भी करते शिकायत

सिंगरौली पुलिस ने मानव तस्करी के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के 6 सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक, इस गैंग के सदस्य जिले के अलग–अलग थाना क्षेत्र से लड़कियों को शादी कराने के नाम पर बेचकर पैसे कमाते थे। फिलहाल पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने इस मामले में पुलिस के सामने ऐसे राज खोल दिए जिसे सुनकर पुलिस भी हैरान है।

पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि गैंग के सदस्य शादी के नाम से लड़कियों को बेचकर लाभ कमाते। बेचने के तत्काल बाद अपनी लड़की वापस रास्ते से उतारकर जबरन ले लेते। असफल होने पर अपहरण का मुकदमा पंजीकृत कराकर 181 सीएम हेल्पलाइन की शिकायत करते। लड़की की दस्तयाब होने पर बलात्कार जैसे गंभीर अपराध का दबाव बनाकर पैसे लेकर पैसे एंठते। गैंग मुकदमा समझौता करने के लिए लाखों की डील करता।

सूचना के बाद पुलिस हुई एक्टिव

सिंगरौली पुलिस अधीक्षक यूसुफ कुरैसी को सूचना मिली थी कि 24 मई 2023 को सरई थाना क्षेत्र की 2 लड़कियों को छतरपुर जिले में बेचा गया है। इस पर तत्काल प्रभाव से पुलिस अधीक्षक ने पुलिस टीम का गठन कर रवाना किया। इसमें निरीक्षक अर्चना द्विवेदी, थाना प्रभारी महिला एवं थाना प्रभारी सरई की अगुवाई में पुलिस टीम का गठन किया।

मौके से पुलिस टीम रवाना कर संदेहियों को नाबालिग पीड़िताओं के साथ अलग–अलग स्थानों से दस्तयाब कर पुलिस अभिरक्षा में लिया। दोनों नाबालिग बालिका एवं संदेही सुमन साकेत (35), फूलमती साकेत (55), फुलवारी साकेत (30), देवेंद्र चौबे (27) को बिसहा छतरपुर एवं बिहारी लाल अहिरवार (35) से बारीकी से पूछताछ की। पूछताछ में पाया गया कि लड़कियों को सरई रेलवे स्टेशन बुलाया जाता था और वहीं से छतरपुर के लोगों के द्वारा ले जाया जाता था उसके बदले में पैसे की लेनदेन की जाती थी।

पहले भी आ चुके है ऐसे मामले गौरतलब है कि कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी सरई चितरंगी इलाके से मानव तस्करी का मामला आया था। बताया जा रहा है कि जनजाति इलाका होने के वजह से यहां की लड़कियों को पैसे का लालच देकर और शादी का झांसा देकर प्यार में फंसा कर दूसरे राज्यों में ले जाकर बेचकर गोरखधंधा चलाया जा रहा है।

सनातन संस्कृति की संवाहक गीता प्रेस को गांधी शांति पुरुस्कार

100 साल पुरानी संस्था, 41 करोड़ किताबों का प्रकाशन

केंद्र सरकार की ओर से 2021 के लिए गांधी शांति पुरुस्कार की घोषणा कर दी गई है। गोरखपुर की गीता प्रेस को ये पुरुस्कार दिया जाएगा। गीता प्रेस 100 साल पुरानी संस्था है जो हिंदू धार्मिक ग्रंथों को छापती है।

गोरखपुर की गीता प्रेस को 2021 का गांधी शांति पुरुस्कार दिया जाएगा। गीता प्रेस को ये पुरुस्कार अहिंसक और दूसरे गांधीवादी तरीकों से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन की दिशा में योगदान के लिए दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गीता प्रेस को गांधी शांति पुरुस्कार के लिए चुने जाने पर बधाई दी। उन्होंने ट्वीट कर लिखा, गीता प्रेस ने 100 साल में लोगों के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तन को आगे बढ़ाने की दिशा में काफी सराहनीय काम किया है।

गांधी शांति पुरुस्कार से सम्मानित संस्था या व्यक्ति को एक करोड़ की राशि भी दी जाती है। गीता प्रेस अपनी परंपरा के मुताबिक, किसी भी सम्मान को स्वीकार नहीं करता है। हालांकि, बोर्ड मीटिंग में तय हुआ है कि परंपरा को तोड़ते हुए पुरुस्कार स्वीकार किया जाएगा, लेकिन इसके साथ मिलने वाली धनराशि नहीं ली जाएगी।

GITA PRESS, GORAKHPUR [SINCE 1923]

अब महिला पुरोहित भी कराएंगे पूजा-पाठ जन्मदिन विवाह संस्कार

मातृशक्ति अब किसी क्षेत्र में पीछे नहीं रहना चाहती महिलाएं बड़ी संख्या में आगे आकर भारतीय संस्कृति के वैदिक कर्मकांड की ओर अग्रसर हो रही है गायत्री परिवार इसके लिए इच्छुक महिलाओं को वैदिक कर्मकांड का प्रशिक्षण दे रहा है इसमें आयु जाति बाधा नहीं है हाल ही में गायत्री परिवार की ओर से 4 जिलों की 115 महिलाओं को यह प्रशिक्षण दिया गया है अब यह महिलाएं घर–घर जाकर पूजा पाठ विवाह जन्मदिन संस्कार के साथ–साथ वेदोक्त सभी 16 संस्कार कराएंगे।

महिलाओं की टोली घर–घर करा रहे यज्ञ

प्रशिक्षणार्थियों को विदाई संदेश देते हुए उपजोन् प्रभारी डॉ एमपी गुप्ता ने प्रशिक्षण के महत्व एवं जीवन में इसकी उपयोगिता के बारे में बताया अपने अनुभवों को साझा किया मुख्य ट्रस्टी बीबी शर्मा ने कहा कि गायत्री शक्तिपीठ जबलपुर की महिला टोलियां द्वारा गाँव–गाँव जाकर गायत्री यज्ञ संपन्न कराया जाता है व्यवस्थापक प्रमोद राय ने शांतिकुंज टोली का सम्मान का गायत्री मंत्र का दुपट्टा श्रीफल से सम्मान किया कविता तिवारी इंदु राय मधु नामदेव रंजना नामदेव मधुलिका खरे लक्ष्मी कुकरेले अनीता ठाकुर का सहयोग था।

शुद्ध मंत्र उच्चारण सिखाया

गायत्री शक्तिपीठ मनमोहन नगर में 3 दिन तक यह कर्मकांड प्रशिक्षण शिविर लगाया गया शिविर में शांतिकुंज हरिद्वार से आई टोली के नायक रमेश अभिलाषी दिनेश दुबे सौरव गुप्ता ने बताया कि कर्मकांड शिविर का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं युवा पीढ़ी को कर्मकांड की बारीकियां समझाते हुए शुद्ध मंत्र उच्चारण एवं उसके आध्यात्मिक वैदिक एवं वैज्ञानिक महत्व को आम जनता तक पहुँचाना है ताकि पूजा–पाठ यज्ञ हवन दीप यज्ञ संस्कार विवाह आदि पूर्ण विधि–विधान से किया जाए पूजन कराने वाले को इसका पूरा आध्यात्मिक एवं वैदिक लाभ प्राप्त हो प्रशिक्षण इसके लिए गायत्री शक्तिपीठ या गायत्री परिवार के सदस्यों से संपर्क किया जा सकता है इसके अलावा गायत्री परिवार की वेबसाइट पर ऑनलाइन महिला पुरोहित के लिए पंजीयन कराया जा सकता है

प्रशिक्षण के लिए जाति और उम्र का नहीं बंधन

मीडिया प्रभारी मनोज सेन ने बताया कि अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक गुरुदेव श्रीराम शर्मा आचार्य ने गायत्री परिवार से जुड़े लोगों को कर्मकांड और वेद की शिक्षा देकर पंडित बनाया था तब से यह सिलसिला जारी है मनमोहन नगर केंद्र पर जबलपुर कटनी नरसिंहपुर व मंडला जिले की 115 महिलाओं को कर्मकांड पूजा–पाठ यज्ञोपवीत संस्कार आदि का प्रशिक्षण दिया गया है प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद महिलाओं से पहले सहयोगी के तौर पर कार्य कराया जाएगा 1 साल तक कर्मकांड कराने के बाद प्रशिक्षित समझा जाता है प्रशिक्षण के लिए उम्र और जाति का कोई बंधन नहीं ना ही कोई शुल्क लिया जाता है महिलाएं इच्छा अनुसार शांतिकुंज हरिद्वार में जाकर भी प्रशिक्षण प्राप्त करती हैं प्रशिक्षण लेने के लिए अखिल विश्व गायत्री परिवार की वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन कराना होता है।

अभिव्यक्ति

मैं आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र मण्डला जिले के बीजाडांडी विकासखंड से आता हूँ।

शाश्वत हिन्दू गर्जना पत्रिका आदिवासी, जंगली इलाके में जहाँ न बस चलती है न अखबार आते हैं ऐसी जगह पर पिछड़े इलाके में देश दुनिया की खबर प्राप्त होना मेरे लिए और समस्त आदिवासियों के लिए गौरव की बात है मुझे पत्रिका पहली बार प्राप्त हुई है जिसे मैंने पढ़ा तो मन गदगद हो गया कोटि–कोटि धन्यवाद देता हूँ प्रकाशन समिति को जो आपके द्वारा हम जैसे पिछड़े लोगों को दुनिया की जानकारी अब प्राप्त हो रही है!

हमारे क्षेत्र में आदिवासियों को ईसाई मिशनरी द्वारा बहला फुसला कर धर्मान्तरण कराया जाता है जिन्हें समझने और समझाने के लिए ये पत्रिका रामबाण साबित होंगी।

अनिल कुमार मिश्रा
डाक मित्र
ग्राम–मलधा,भारतीपुर
जिला मण्डला

फाजिल से बना अमन, फिर राम मंदिर में की शादी... मुस्लिम युवक ने की घर वापसी

मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले में एक मुस्लिम लड़के को हिंदू लड़की से प्यार हो गया। इसके बाद शादी की बात चली तो विरोध होने लगा।

आवेदन सोशल मीडिया पर वायरल हो गया तो हिंदू संगठनों ने विरोध करना शुरू कर दिया। धर्म परिवर्तन के बाद दोनों की शादी संपन्न कराई गई।

जानकारी के अनुसार, चीचली में निवासरत फाजिल का आमगाँव की रहने वाली सोनाली राय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों ने शादी के लिए कलेक्ट्रेट में आवेदन किया दोनों अलग–अलग समुदाय के थे। इनका आवेदन सोशल मीडिया में वायरल हो गया। आवेदन में दो गवाहों के नाम दर्ज थे, लोग उन पर आपत्तिजनक कमेंट करने लगे। दोनों गवाहों के खिलाफ करेली चौराहे पर विरोध में एक शोकसभा का ऐलान कर दिया। हालांकि इस तरह का आयोजन नहीं हुआ।

युवक ने जताई थी घर वापसी की इच्छा

वहीं युवक ने अपने परिचितों के साथ बीजेपी के युवा मोर्चा के सदस्यों से संपर्क किया और हिंदू धर्म में घर वापसी की इच्छा जताई। इसके बाद युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष प्रियांक जैन और अन्य सदस्यों ने युवक और युवती के बारे में जानकारी जुटाई। इस दौरान पता चला कि फाजिल नाम के युवक के पिता पहले हिंदू थे, लेकिन प्रेम–प्रसंग के चलते वह पूरन मेहरा से शेख अब्दुल बन गए।

मंदिर में पूजा–पाठ के साथ सनातनी हो गया युवक

फाजिल के आसपास के लोगों से जानकारी जुटाने के बाद पता चला कि फाजिल की आस्था हिंदू धर्म में थी, इसके चलते घर वापसी की तैयारियां कराई गईं। करेली राम मंदिर में वैदिक मंत्रों से जनेऊ संस्कार के साथ पंडित जी ने युवक की हिंदू धर्म में वापसी कराई। युवक का नाम फाजिल से अमन राय हो गया। इस दौरान मंदिर परिसर में जयकारे लगते रहे।

पूजा–अर्चना के बाद राम मंदिर में ही फाजिल से अमन राय बने युवक ने सोनाली राय को जयमाला पहनाकर शादी कर ली। मंदिर के फेरे लेकर दोनों ने भगवान का आशीर्वाद लिया। इस दौरान दोनों को रामचरित मानस भेंट की गई।

पाँच वर्ष से चल रहा था प्रेम–प्रसंग

फाजिल से अमन राय बने युवक की सोनाली से पहली मुलाकात गाडरवारा के धार्मिक स्थल डमरू घाटी में हुई थी। दोनों के बीच बीते पांच साल से प्रेम–प्रसंग चल रहा था। युवक रेस्टोरेंट में काम करता है। दोनों इस शादी से खुश हैं। युवक ने कहा कि हमने पुनः अपने धर्म में घर वापसी किया है।

क्या बोले शादी कराने वाले पंडित जी?

इस मामले को लेकर पं. शिवनारायण दुबे ने कहा कि एक जोड़ा शादी के लिए आया था। लड़का मुस्लिम था, लड़की हिंदू थी। लड़के ने सनातन धर्म अपनाया और मैंने दोनों की शादी करवा दी। लोगों ने वर–वधू को राम दरबार का स्मृति चिह्न भेंट किया। महिलाओं ने तिलक लगाकर दोनों का स्वागत किया। इस मौके पर बैंड की धुन पर लोग झूमे।

'शाश्वत हिन्दू गर्जना' में न्यूनतम दर पर विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें:-
भूपेन्द्र कटरे–7898946667

संघ के कार्यकलापों में शामिल होने से सरकारी सेवकों पर कोई रोक नहीं

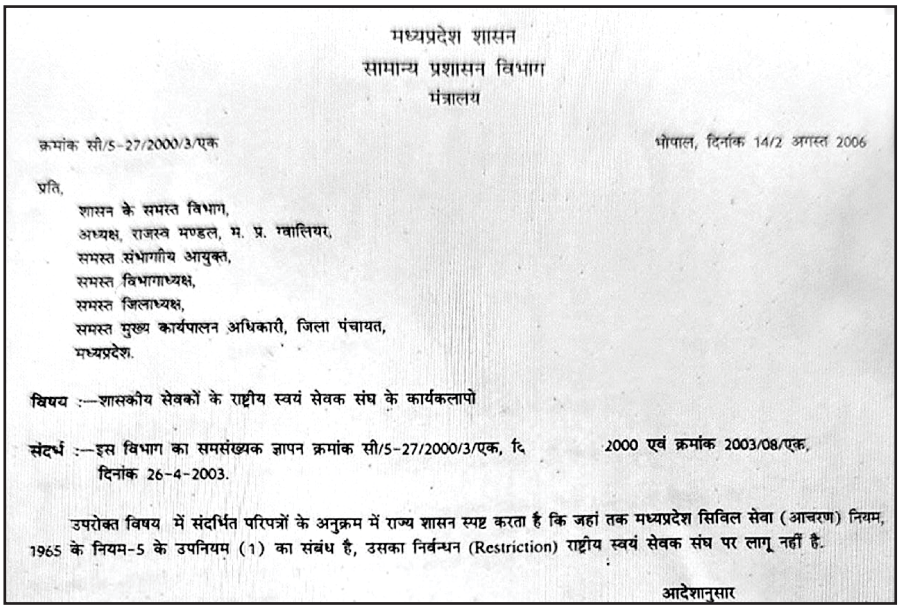

मध्यप्रदेश शासन
सामान्य प्रशासन विभाग
मंत्रालय

क्रमांक सी/5-27/2000/3/एक — भोपाल, दिनांक 14/2 अगस्त 2006

प्रति,
शासन के समस्त विभाग,
अध्यक्ष, राजस्व मण्डल, म. प्र. ग्वालियर,
समस्त संभागीय आयुक्त,
समस्त विभागाध्यक्ष,
समस्त जिलाध्यक्ष,
समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत,
मध्यप्रदेश.

विषय :—शासकीय सेवकों के राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कार्यकलापो

संदर्भ :—इस विभाग का समसंख्यक ज्ञापन क्रमांक सी/5-27/2000/3/एक, दि. 2000 एवं क्रमांक 2003/08/एक, दिनांक 26-4-2003.

उपरोक्त विषय में संदर्भित परिपत्रों के अनुक्रम में राज्य शासन स्पष्ट करता है कि जहां तक मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम-5 के उपनियम (1) का संबंध है, उसका निर्बन्धन (Restriction) राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ पर लागू नहीं है.

आदेशानुसार

सरकारी कागजातो से पुरानी मगर एक महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। जिससे पता चलता है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकलापों में शामिल होने से सरकारी सेवकों को कोई रोक नहीं है और न उनके खिलाफ कोई कार्यवाही की जा सकती है। कांग्रेस कई बार इस मुद्दे को उठाती रही है मगर उसे शायद यह जानकारी नहीं है कि शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 2006 में ही इस बारे में स्थिति स्पष्ट कर दी थी। दरअसल तत्कालीन दिग्गी सरकार ने 2003 में इस तरह का प्रतिबंध सरकारी सेवकों पर लगाया था मगर भाजपा की सरकार ने 2006 में ही उसे खत्म कर दिया था। उपरोक्त दोनों आदेशों से यह बात अच्छी तरह स्पष्ट हो जाती है, यानी अगर कोई सरकारी सेवक संघ के कार्यकलापों में हिस्सा लेता है तो उसके खिलाफ सिविल सेवा आचरण नियम के तहत कोई कार्यवाही नहीं हो सकती।

स्मरणीय दिवस जुलाई 2023

3 जुलाई गुरुपूर्णिमा
6 जुलाई श्यामाप्रसाद मुखर्जी
9 जुलाई शीतला सप्तमी
17 जुलाई हरियाली अमावस्या
17 जुलाई स्वामी अखण्डानन्द जयंती
23 जुलाई चंद्रशेखर आजाद जयंती,
लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक जयंती
27 जुलाई डॉ. ए पी जे अब्दुल कलाम पुण्यतिथि
31 जुलाई मुंशी प्रेमचंद जयंती
उधमसिंह बलिदान दिवस

वदतु संस्कृतं

	संस्कृत		हिन्दी
1.	ह्यः एव भवतीं स्मृतवान्।	–	कल ही आप को याद किया था।
2.	अहम् शिमलानगरं गतवती आसम्।	–	मैं शिमला नगर गई थी।
3.	वयं सर्वे मिलत्वा एव तत्र गच्छामः।	–	हम सब मिलकर वहाँ जायेंगे।
4.	परश्वः किम्?	–	परसो क्या है।
5.	कस्मिन् समये?	–	किस समय में।

डॉ. मनोज पाण्डेय
प्रांत संगठन मंत्री (संस्कृत भारती)

बाल प्रश्नोत्तरी- 3

जीतें पुरस्कार बाल मित्रों मई का अंक पढ़ने के पश्चात निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर अपने उत्तर सीट में भरकर **7566579448** पर वॉट्सएप करें। प्रथम 10 बाल मित्रों के नाम शाश्वत हिन्दू गर्जना में प्रकाशित किये जाएगें तथा प्रथम 5 विजेताओं की फोटो प्रकाशित कर उन्हें पुरूस्कृत भी किया जायेगा। प्रतियोगिता में 6 से 17 वर्ष तक के बाल किशोर ही भाग ले सकते है । **उत्तर भेजने की अंतिम तिथि 25 जुलाई 2023**

1. **गांधी शांति पुरुस्कार 2021 के लिए किस संस्था को चुना गया?**
   (अ) रामकृष्ण मिशन (ब) गीता प्रेस (स) भारतीय विद्या भवन (द) एकल अभियान ट्रस्ट
2. **गुल्लक तोड़कर टीबी मरीजों को किसने राशि भेंट की थी?**
   (अ) मीनाक्षी क्षत्रिय (ब) सोनाक्षी (स) संस्कृति (द) साधना
3. **किस जिले के गंगा जमुना स्कूल ने हिन्दू छात्राओं को हिजाब पहनने के लिए मजबूर किया?**
   (अ) सागर (ब) जबलपुर (स) दमोह (द) पन्ना
4. **बेसबॉल की राष्ट्रीय खिलाड़ी जिसने लव जिहाद का शिकार होकर आत्महत्या कर ली थी?**
   (अ) रंजना (ब) कविता (स) नीता (द) संजना
5. **गुरु पूर्णिमा उत्सव कब मनाया जाता है?**
   (अ) आषाढ़ पूर्णिमा (ब) ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी (स) श्रावण पूर्णिमा (द) वैशाख पूर्णिमा
6. **श्रद्धा ने कौन–सी परीक्षा में मध्यप्रदेश में टॉप किया?**
   (अ) UPSC (ब) NEET (स) NDA (द) AIEEE
7. **राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने किसे अपना गुरु माना?**
   (अ) भगवा ध्वज (ब) शिवाजी (स) बाल्मीकि (द) शंकराचार्य
8. **जलियांवाला बाग हत्याकांड कब हुआ?**
   (अ) 13 अप्रैल 1817 (ब) 13 अप्रैल 1819 (स) 18 अप्रैल 1811 (द) 20 अप्रैल 1922
9. **केसरी और मराठा समाचार पत्र किस महापुरुष ने निकाला था?**
   (अ) बालगंगाधर तिलक (ब) डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर
   (स) ज्योतिबा फुले (द) महात्मा गांधी
10. **पूर्वी पाकिस्तान से आये शरणार्थियों की झोपड़ी पर पुलिस द्वारा लगाई गई आग को किसने बुझाया?**
    (अ) भगत सिंह (ब) वीर सावरकर (स) सुखदेव (द) श्यामा प्रसाद मुखर्जी

निम्नांकित उत्तर शीट भरकर इसी की फोटो वॉट्सएप करें। (बाल प्रश्नोत्तरी-3)

(कृपया अपनी पासपोर्ट साईज की फोटो भी व्हाट्सएप करें)

1.( ) 2.( ) 3.( )
4.( ) 5.( ) 6.( )
7.( ) 8.( ) 9.( )
10.( )

नाम.....

पिता का नाम.....

उम्र.....पूर्ण पता.....

.....

.....पिन.....

मोबाईल नं.....

बाल प्रश्नोत्तरी- 2 के परिणाम

अक्षदा पिपलेवार

आदित्य गुप्ता

समर्थ गुप्ता

कत्यायनी सोनी

भूमिका परस्ते

1. **अक्षदा पिपलेवार**, कोसमी, बालाघाट
2. **आदित्य गुप्ता**, चंदला, छतरपुर
3. **समर्थ गुप्ता**, घुलियारी, रीवा
4. **कत्यायनी सोनी**, धाम मोहल्ला, पन्ना
5. **भूमिका परस्ते**, औढ़ेरा, उमरिया
6. **किशन कुमार मरावी**, मवई, मण्डला
7. **राघवेन्द्र सिंह बुंदेला**, शाहगढ़, सागर
8. **अवनी सोनी**, पेठपुरा, छिंदवाड़ा
9. **योगेश कुमार**, नरसिंहपुर
10. **करण सनोड़िया**, गोबरबेली, सिवनी

प्रथम 5 विजेताओं को पुरुस्कार भेजे जा रहे हैं:–

सही उत्तर:– 1 (ब), 2 (स), 3 (द), 4 (स), 5 (अ), 6 (ब), 7 (स), 8 (द), 9 (अ), 10 (स)

श्रद्धा ने किया मध्यप्रदेश में टॉप

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक और विश्व संवाद केन्द्र महाकौशल प्रांत के सचिव जबलपुर निवासी श्रीनिवास राव की बेटी श्रद्धा वाडलामणि ने नीट **NEET** की परीक्षा में मध्यप्रदेश में टॉप तथा भारत में 56वाँ स्थान प्राप्त किया। श्रद्धा ने कुल 720 में से 710 अंक प्राप्त किए हैं।

दृढ़ संकल्पित महान क्राँतिकारी शहीद ऊधम सिंह - डॉ. किशन कछवाहा

महान क्रान्तिकारी ऊधम सिंह भारत माता के उस सपूत का नाम है, जिसने जालियाँवाला बाग हत्याकाण्ड में हुये वीभत्स एवं अमानवीस कृत्यों का बदला लेने का संकल्प लिया था, और देश की सीमा से बाहर इंग्लेण्ड जाकर उस कुख्यात अंग्रेज अधिकारी को भरी सभा में गोली का निशाना बनाकर ठेर कर दिया था। यह भारत माता का महान पुत्र गोली चलाकर भागा भी नहीं, मुकदमा चला और हंसते–हंसते फाँसी के फंदे पर लटक गया।

अपने दृढ़ इरादों को कामयाब बनाने के संकल्प को पूरा करने की पक्की धुन के धनी इस साहसी युवक का जन्म पंजाब के संगरूर जिले में हुआ था। इस युवक की दृढ़–प्रतिज्ञा मातृभूमि से अटूट प्रेम को कवल दर्शाती ही नहीं है, वरन भारत के लिये कुछ कर गुजरने की प्रेरणा देती है। इस त्याग, समर्पण और बहादुरी की मिशाल कायम करने वाले युवक ने 13 मार्च सन 1940 को इंग्लैण्ड जाकर अंग्रेज अधिकारी जो उक्त हत्याकाण्ड के लिये जिम्मेदार थे, जेटकिस और ओडवायर को केक्सन हाल की भरी सभा में अपनी गोली का निशाना बनाया था। ऐसे भारत के महान सपूतों की बहादुरी पूर्ण कारनामों और देश के लिये समर्पित हो जाने के परिणाम स्वरूप देश को आजादी मिल सकी थी। ऐसे तमाम बलिदानियों की गाथाओं आज सहेजने की जरूरत है ताकि आने वाली पीढ़ी उनके शहीदी जीवन से प्रेरणा ले सके।

भारत के लिये जालियाँनावाला बाग क्रूर हत्याकाण्ड अमानुशिकता की सभी हदें पार कर देने वाला वीभत्स कुकृत्य था। अत्याचारी ब्रिटिश शासन के निन्दनीय कृत्यों का विरोध करने के लिये उक्त बाग में भारी संख्या में देशभक्त मातृभूमि के प्रति अपनी अटूट भक्ति से ओतप्रोत होकर एकत्रित हुये थे।

13 अप्रेल सन 1819 के इस दिन पंजाव का प्रख्यात वैशाखी त्यौहार मनाया जाता है। इस दिन अपरांह चार बजे एक विशाल सभा का आयोजन किया गया था। सरकार ने इस सभा में जाने के लिये किसी प्रकार का प्रतिबंध भी नहीं लगाया था। यह बाग घनी आबादी के बीच अवस्थित हैं, जहां विशाल भवनों के बीच से छोटी–सकरी गली से गुजरकर जाना पड़ता है। इस बाग में बीस हजार से भी अधिक लोक एकत्रित हो चुके थे।

शेष भाग पृ.क्र. 2 पर

गोवंश के जीवन की रक्षा हेतु प्रदेश में जंगलों का आश्रय ही एक मात्र उपचार है

" गायों का भोजन जंगल में और जंगल का आहार गायों के पास "

इस प्राकृतिक समीकरण के आधार पर व्यापक कार्ययोजना बनें प्रदेश की नवनिर्मित गोशालायें आंशिक समाधान ही दे सकती हैं।

मूक प्राणियों को प्रकृति के संसाधनों का आश्रय और मानवीय संवेदनाओं का सहारा चाहिये-

गोवंश किसी भी युग में अप्रासंगिक नहीं रहा उसकी प्रासंगिकता प्राचीन भारत में जितनी थी आज भी वह उतना प्रासंगिक है। देश की आर्थिक प्रगति और कृषिक उन्नति में गोवंश का अप्रतिम योगदान है।

गोवंश का संरक्षण करना हम मनुष्यों का पुनीत दायित्व है -

गोवंश संरक्षण में "मैनपावर" और "मनीपावर" दोनों की जरूरत है गोसेवा केन्द्रों एवं गोशालाओं के संचालन में जनभागीदारी अतिमहत्वपूर्ण है।

गायों (गोवंश) के संरक्षण हेतु भारतवर्ष में प्रत्येक परिवार से चूल्हे की प्रथम रोटी गाय के हिस्से की होती है इसे ही हम गो-ग्रास कहते हैं, गो-ग्रास निकालने की पवित्र परम्परा को लुप्त और सुप्त नहीं होने देना है। मध्यप्रदेश गोसंवर्द्धन बोर्ड का यह पावन संकल्प और आमजनों को इसकी प्रेरणा भी है गो-ग्रास के निमित्त हम प्रतिदिन भोजन करने से पूर्व 10 रुपये अवश्य निकालें, यह गो-ग्रास का युगानुकूल नवाचार है। वर्ष में गोपाष्टमी के दिन 3650 रुपये गोसंवर्द्धन बोर्ड के पोर्टल में जमा करें।

www.gopalanboard.mp.gov.in

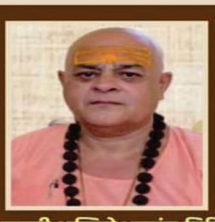

-स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि

अध्यक्ष म.प्र. गो संवर्धन बोर्ड कार्यपरिषद्
केबिनेट मंत्री दर्जा, म.प्र. शासन, भोपाल

जुलाई 2023 आर. एन.आई. संख्या– 69274 / 94 डाक पंजीयन संख्या –ल 4 / एनपी /शाहिग / एसएसपी जबलपुर 33 / 2023 2024 शाश्वत हिन्दू गर्जना

हिंदुत्व का चिंतन ही विश्व को शांति प्रदान करेगा : दीपक विस्पुते

एक-एक इंच पर लहराएगें भगवा

सतना। भारतीय संस्कृति विश्व की प्राचीन संस्कृति है। यह सम्पूर्ण मानव समाज को दिशा देने वाली एवं सबको साथ लेकर चलने वाली संस्कृति है। यह बिल्कुल सत्य है कि हिंदुत्व का चिंतन ही विश्व को शांति प्रदान करेगा। पश्चिमी जगत भी भारत की आध्यात्मिक शक्ति के आगे नतमस्तक है। इसके लिए उसको प्राप्त करने के लिए पहले अपने राष्ट्र को बलशाली होना चाहिए।

उक्त आशय के विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ महाकौशल प्रांत के बीस दिवसीय संघ शिक्षा वर्ग प्रथम वर्ष विद्यार्थी श्रेणी के समापन अवसर पर मध्यक्षेत्र प्रचारक दीपक विस्पुते ने मुख्य वक्ता की आसंदी से व्यक्त किए। इस अवसर पर प्रांत संघचालक डॉ प्रदीप दुबे जिला संघचालक रामबेटा कुशवाहा एवं वर्गाधिकारी चन्द्रभान पटेल मंचासीन रहे। मुख्य वक्ता दीपक विस्पुते ने कहा कि अनेक प्रकार के आक्रमण भारत में हुए परंतु भारत ने सभी को आत्मसात करके अपनी धारा में मिला लिया। मुगल आक्रमण ने हमारी सभ्यता संस्कृति को नष्ट किया। हमारे प्रमुख संस्थानों को छिन्न भिन्न कर दिया। हमारे महापुरुषों ने अपनी आहुति देकर भी धर्म को बचाए रखा। गुरु तेगबहादुर एवं अन्य गुरुओं ने अपने प्राणोत्सर्ग करके भी धर्म को अक्षुण्य रखा। हमारी शिक्षा पद्धति पर हमले हुए। काले अंग्रेज बनाने का षड्यंत्र रचा गया। अपनी संस्कृति जीवन मूल्यों से काटने का काम हुआ।

अनेक आक्रमणों को सहने के कारण और मुगल आक्रमण से हमारे समाज मे अनेक कुरुतियाँ निर्मित हो गई। समाज विखण्डित हो गया जिससे हमें अपने स्वाभिमान का विस्मरण हो गया। ऐसी परिस्थितियों में महर्षि अरविंद स्वामी विवेकानंद और अनेक महापुरुषों ने भारत की आराधना पर ध्यान केंद्रित किया और जनजागरण किया। पूरे देश मे भारत के सपूत खड़े हो गए। वीर सावरकर भगतसिंह सुखदेव राजगुरू मदनलाल ढींगरा, टंट्या मामा शंकरशाह रानी दुर्गावती सहित अनेक महान लोग हमारी संस्कृति बचाने खड़े हुए।

इन्ही सब बातों को ध्यान में रखकर संघ संस्थापक डॉ हेडगेवार ने संघ प्रारंभ किया। उनका एक ही उद्देश्य था कि आत्मविस्मृति से निकालकर भारत को स्वतंत्र कराना और मात्र इतना ही नहीं बल्कि भारत को पुनः विश्वगुरु के श्रेष्ठ आसन पर विराजित करना। इसीलिए संघ अपनी स्थापना के बाद से सतत कार्यशील है। क्षेत्र प्रचारक ने कहा संघ का एक विकास क्रम भी हुआ है। पहले संघ के अनेक स्वयंसेवक निर्माण हुए फिर ऐसे संकल्पबद्ध स्वयंसेवकों ने विविध संगठनों एवं क्षेत्रों में जाकर व्यवस्था परिवर्तन का कार्य किया। डॉ. हेडगेवार के संकल्प को पूरा करने के लिए आज संघ समाज को साथ मे लेकर और समाज के साथ मिलकर सम्पूर्ण समाज को परिवर्तित कर भारत को विश्वगुरु की ओर ले जाने की प्रक्रिया में चल रहा है।

छः गतिविधियों के माध्यम से संघ के स्वयंसेवक यह कार्य कर रहे हैं। ग्राम विकास गौसेवा धर्मजागरण समन्वय सामाजिक समरसता पर्यावरण और कुटुंब प्रबोधन संघ की गतिविधियां हैं। इन क्षेत्रों में सकारात्मक कार्य करने वाली अनेक संस्थाएं समाज मे हैं। उन सबके साथ मिलकर सबके अंदर राष्ट्रीय भाव भरना ही संघ की भूमिका है जिससे अपना राष्ट्र पुनः सर्वश्रेष्ठ आसन पर विराजित हो। उन्होंने कहा भारत क्षात्रतेज सबको प्रेरणा दे रहा है। अपमान उपहास विरोध सहकर भी संघ बढ़ता गया। जिस संघ के लिए भारतवर्ष में एक इंच भी भगवा लहराने की अनुमति नहीं थी वहाँ स्वयंसेवकों ने संकल्प लिया कि इसी भारत के एक–एक इंच पर भगवा लहराएंगे।

प्रतिष्ठा में,

प्रकाशक एवं मुद्रक नरेन्द्र जैन द्वारा विश्व संवाद केन्द्र महाकौशल न्यास, प्लॉट नं. 1692, नव आदर्श कॉलोनी के लिए ग्रेनेडियर्स एसोसिएशन प्रिंटिंग प्रेस, जबलपुर द्वारा मुद्रित प्रकाशन स्थान विश्व संवाद केन्द्र, प्लॉट नं. 1692, नव आदर्श कॉलोनी, गढ़ा रोड, जबलपुर मध्य प्रदेश दूरभाष 0761–4006608, संपादक –डॉ. किशन कछवाहा